पाठ 3 परिवर्तन

मुख से

क) बोधराज कौन था?

उत्तर- बोधराज लेखक का सहपाठी और शैतान प्रवृत्ति का बच्चा था।

ख) लेखक की मां को उनका बोधराज के साथ खेलना क्यों पसंद नहीं था?

उत्तर- लेखक की मां को उनका बोधराज के साथ खेलना इसलिए पसंद नहीं था क्योंकि वह हिंसक प्रवृत्ति का बच्चा था।

ग) ' गोदाम में मैना का घोंसला ही है, चील का नहीं 'बोधराज को ऐसा विश्वास क्यों था?

उत्तर- क्योंकि चील अपना घोंसला पेड़ों पर बनाती है इसलिए बोधराज ने अनुमान लगाया कि यह मैना का घोंसला है।

घ) बोधराज ने मैना का घोंसला कैसे उतारा?

उत्तर- बोधराज ने मेज़ को मैना के घोंसले के नीचे रखा तथा एक टूटी हुई कुर्सी की मदद से उस पर खड़ा हो गया और अपने को संतुलित रखते हुए घोंसले को उठा लिया तथा नीचे उतर आया।

कलम से

क) लेखक को बचपन के सहपाठी बोधराज की क्या बातें याद आई?

उत्तर- लेखक को बोधराज की कई पुरानी बातें याद आई जैसे- जब वह बर्रे को पकड़कर उसका डंक निकाल लेता तथा उसकी टांग में धागा बांधकर पतंग की तरह उड़ाने की कोशिश करता। तितलियों को पकड़कर उंगलियों के बीच मसल देता या उन्हें अपनी कॉपी में खोंस लेता और गुलेल से चिड़ियों को मारता था

ख) लेखक की मां ने बोधराज को गोदाम से घोसला हटाने को क्यों कहा?

उत्तर- लेखक की मां ने बोधराज को गोदाम से घोंसला हटाने के लिए इसलिए कहा क्योंकि बोधराज को घोंसला तोड़ने में मज़ा आता था।

ग) बोधराज ने मैना के बच्चों को चीन से कैसे बचाया?

उत्तर- बोधराज ने मैना के घोंसले को गोदाम से नीचे उतारकर तथा चील के चंगुल से दूर कर उसके बच्चों को गैराज में ले आया।

घ) बोधराज ने मैना के बच्चों की देखभाल कैसे की?

उत्तर- बोधराज ने मैना के बच्चों को नीचे उतारा और भागकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले आया। उन्हें पानी पिलाया, दूसरे दिन जब वह लेखक के घर आया तो उनके लिए चुग्गा भी साथ लाया। इस प्रकार उसने मैना के बच्चों की देखभाल की।

ङ) 'बोधराज अपने हाथ में गुलेल की वजह चुग्गा लाया', यह उस में आए किस परिवर्तन का संकेत था?

उत्तर- दूसरे दिन जब लेखक के घर बोधराज आया, तो उसके साथ न गुलेल थी और ना जेब में कोई कंकड़-पत्थर बल्कि वह जेब में थोड़ा-सा चुग्गा भरकर लाया था। यह इस बात का प्रतीक है कि बोधराज का ह्रदय परिवर्तन हो चुका था।